

संपादकीय

साइपर आतंकियों से निपटने की चुनौती

सेनाध्यक्ष बिपिन रावत एकदम सही हैं जब वे कहते हैं कि फिलहाल यह निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी संगठनों की साइपर स्काइड जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ कर चुकी हैं और सुरक्षा कर्मियों को विशेष रूप से साधक बहुत दूर से गोली का निशाना बनाने वाली घटनाओं में एकाएक बढ़ती इनका कारनामा है। इस तरह के कयासों में सेना ठोस प्रमाण के आधार पर ही कोई धारणा बनाती है, जिसका मतलब है साइपर राइफल की बरामदगी होना या नाइट विजन दूरबीन का मिलना, जिनका इस्तेमाल उक्त हमलों में किया गया हो या फिर किसी अन्य किसम की पुख्ता खुफिया जानकारी के आधार पर हो। हालांकि, यह भी सच है कि खुलेआम अपने काम को अंजाम देने वाले आतंकियों के साथ मिलकर एक या दो साइपर स्काइड अंदरखोते काम कर रही हैं, इनको खत्म करने अथवा आशिक हथियार बरामदगी में काफी लंबा समय लग सकता है। इसको सही परिप्रेक्ष्य में यूं समझा जाए, श्रीनगर के बाहरी इलाके नौगाम स्थित वगूरा पॉवर ग्रिड की सुरक्षा हेतु केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल का एक एएसआई तैनात था, उसकी जिंदगी अचानक कहीं दूर से दागी गई गोली ने लील ली थी। ठीक इसी तरीके से कुछ दिन पहले त्राल तहसील में सेना का एक जवान और विशेष सुरक्षा बल (एसएसबी) का सिपाही भी शहीद हुए हैं। आतंकियों द्वारा इस ढंग से किए गए पहले हमले की सूचना 18 सितंबर को पुलवामा के नेवा से मिली थी, जहां केंद्रीय आरक्षी सुरक्षा बल का एक सिपाही जख्मी हुआ था।

साइपिंग का मतलब है अज्ञात स्रोत से हुआ वह हमला टारगेट पर सुरक्षित दूरी से किया गया हो और जो हमलावर को लंबी दूरी की वजह से टारगेट पक्ष की ओर से जवाबी गोलियों से बचने-भागने का मौका प्रदान करता है। सुरक्षा बल इन हमलों की समीक्षा कर रहे हैं और खुफिया तंत्र को पुख्ता जानकारी जुटाने के लिए सुदृढ़ कर रहे हैं। यह जानना महत्वपूर्ण है कि नवीनतम आतंकवादों की प्रकृति किस तरह की है और विगत के तौर-तरीकों से इसका क्या संबन्ध-नाता है।

जम्मू-कश्मीर में पाक प्रायोजित आतंकियों के साथ मिलकर चल रहा छद्म युद्ध 28 साल पुराना है और इस वक्रे में समय-समय पर अनेकानेक चोंकाने वाले चलन देखे हैं। नब्बे के दशक में जब आतंकियों की गिनती बनिस्वत काफी ज्यादा थी, तब सुरक्षा बलों, विशेषकर सेना, जिसकी उपस्थिति ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों और दूर-दराज में थी, उन पर बड़ी संख्याबल वाले गुटों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले या फिर आमने-सामने के मुकाबले आम बात थी। आतंकियों की तरफ होने वाली मौतें उन्हें हतोत्साहित नहीं करती थीं क्योंकि वे जल्द ही अपनी गिनती की भरपाई स्थानीय युवकों को भर्ती करके और उन्हें पाक-अधिकृत कश्मीर में प्रशिक्षण करवाते हुए वापस भारत में घुसपैठ करवा लेते थे। इसके अलावा पाकिस्तानी आतंकियों की खेप भी खुलकर आती रही थी।

वर्ष 1999 में चलन सुरक्षा बलों के कैंपों और सरकारी भवनों में चुपके से दाखिल होकर आत्मघाती हमले का हो गया था, एक तरह से यह स्रोतों पर अतिरिक्त बोझ बना, लिहाजा अब कैंपों की रखवाली के लिए विशेषतौर पर और ज्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात करने एवं प्रवेश द्वारों पर निगरानी बढ़ानी पड़ी थी।

सीमा पर घुसपैठ-रोधी प्रणाली स्थापित होने की वजह से घुसपैठ-निवारक व्यवस्था बहुत मजबूत हो गई और इससे आतंकियों की गिनती कम हो गई जो 2008-09 में 300-500 के बीच थी। यह वह समय था जब पाकिस्तानी एजेंसियों ने निर्देश दिया कि सड़कों पर 'प्रदर्शन-आतंक' का दौर चलाया जाए और पत्थरबाजी आम बात हो गई। इसी तरह का एक नवीनतम तरीका है आनन-फानन में सड़कों पर भीड़ इकट्ठा करना ताकि एक तो आतंकरोधी दस्ते द्वारा घेराबंदी और तलाशी लेने वाले काम में अड़चन डले और दूसरा सुरक्षा बलों द्वारा घेरे गए आतंकियों को बचकर भाग निकलने में मौका मिल सके और इस चक्र में भीड़ के लोग मारे जाएं।

दरअसल, आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों के खिलाफ अभियानों में दो विशेष क्षेत्रों में काफी सावधानी बरती है। इनमें पहली है, हेलीकॉप्टरों और हवाई जहाजों पर मिसाइलों का प्रयोग करने से गुरेज करना। यह खतरा बहुत सालों तक बना रहा था। दरअसल, आतंकी गुट सुरक्षा बलों की संभावित प्रतिक्रिया के हिसाब से अपने हथियारों और निशानों का चुनाव करने में सावधानी बरतते हैं। दूसरा है, जम्मू-कश्मीर में सक्रिय विदेशी और स्थानीय आतंकवादियों ने अब तक उस किसम के आत्मघाती हमले नहीं किए हैं।

नोवाक जोकोविच ने पेरिस मास्टर्स में रोजर फेडरर को दी मात, रिकॉर्ड 33वें खिताब के करीब पहुंचे

पेरिस, 04 नवंबर-नोवाक जोकोविच ने शनिवार को पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के रोमांचक सेमीफाइनल में रोजर फेडरर को हराकर अगले सप्ताह विश्व का नंबर एक खिलाड़ी बनने से पहले अपने विजय क्रम को 22 जीत तक पहुंचा दिया।

सर्बियाई खिलाड़ी जोकोविच ने स्विट्जरलैंड के दिग्गज फेडरर को तीन घंटे तक चले मैच में 7-6 (8/6), 5-7, 7-6 (7/3) से पराजित



किया। फाइनल में उनका मुकाबला रूस के करिन मुखाचोव से होगा। अगर वह

खिताब जीतने में सफल रहते हैं तो राफेल नडाल के 33 मास्टर्स की खिताब की बराबरी भी कर लेंगे। एटीपी की सोमवार को जब नयी विश्व रैंकिंग जारी होगी तो जोकोविच चौथों से जूझ रहे नडाल की जगह नंबर

एक खिलाड़ी बन जाएंगे। जोकोविच ने फेडरर के खिलाफ अपना रिकॉर्ड अब 25-22 कर दिया है। उन्होंने 2015 से स्विस खिलाड़ी से कोई मैच नहीं गंवैया है। इस हार से फेडरर का 100वां खिताब जीतने का इंतजार भी बढ़ गया। इससे पहले 22 वर्षीय खाचोव ने ऑस्ट्रिया के छठी वरीयता प्राप्त डोमिनिक थीम को 6-4, 6-1 से हराकर पहली बार मास्टर्स फाइनल में प्रवेश किया।

JioPhone 2 की दिवाली सेल कल होगी शुरू, उठा सकते खास ऑफर्स का फायदा

अगर आप जियोफोन 2 को खरीदने का मन बना रहे हैं तो इस दिवाली आप इसे आसानी से खरीद पाएंगे। जियोफोन 2 की स्पेशल फैस्टिव सेल 5 नवंबर से 12 नवंबर तक चलेगी और इस दौरान रोजाना दोपहर 12 बजे जियोफोन 2 को बिक्री के लिए उपलब्ध किया जाएगा। सेल में खरीदारों को खास ऑफर का भी फायदा मिलेगा। अगर आप जियोफोन 2 को पेटीएम के जरिए खरीदें तो आपको 200 रुपए तक की छूट मिलेगी। वहीं 3 रिचार्ज पैक्स और अन्य फायदे भी मिलने की जानकारी

है। **जियोफोन 2 के प्लान्स** जियोफोन 2 का पहला प्लान 49 रुपए का है जिसमें 28 दिनों की वैलिडिटी के साथ 1तक़ाबट मिलेगा। दूसरा प्लान 99 रुपए का है जिसमें 28 दिनों की वैलिडिटी के साथ 14तक़ाबट दिया जाएगा। इस प्लान में डेली 500रूक़ाई हाई स्पीड डाटा लिमिट को सैट किया गया है। वहीं ज्यादा डाटा की चाह रखने वाले यूजर्स के लिए 153 रुपए का प्लान उपलब्ध किया गया है जिसमें 28 दिनों की वैलिडिटी के साथ 42तक़ाबट डाटा मिलेगा।

WhatsApp ला रहा अब 'रिप्लाई प्राइवेट' फीचर, जानिये उपयोग

इन दिनों मोबाइल नेटवर्किंग ऐप व्हाट्सएप एक के बाद एक नए अपडेट लेकर आ रही है। इसी कड़ी में कंपनी ने एक और नया फीचर पेश किया है। ऐप में चैटिंग को और ज्यादा प्राइवेट बनाने के लिए कंपनी ने अब रिप्लाई प्राइवेटली फीचर पेश किया है। इस फीचर की मदद से आप किसी भी चैट के दौरान किसी एक फ्रेंड को पर्सनली मैसेज कर सकेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार फिलहाल यह फीचर

व्हाट्सएप के नए बॉटा वर्डन 2.18.355 में है। हालांकि, कहा यह भी जा रहा है कि इस अपडेट के साथ कुछ बग्स भी आ रहे हैं। इसके कारण किसी भी ग्रुप में से मीडिया फाइल्स हटाने के दौरान ऐप क्रैश हो रही है। इस बीच टेक वेबसाइट्स का दावा है कि डेवलपर्स ने गलती से यह फीचर एक्टिवेट कर दिया।



ISL 2018-19 मुंबई ने चेन्नइयन को 1-0 से हराया

मौजूदा चैंपियन चेन्नइयन एफसी को शनिवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए मैच में बेहतर खेल दिखाने के बाद भी मुंबई सिटी एफसी से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। लीग के इस सत्र में मेजबान की पांचवीं हार है। साथ ही घरेलू मैदान पर लगातार तीसरी हार है। मेजबान ने अब तक छह मैच खेले हैं लेकिन उसका खाता नहीं खुला है। उसे पांच मैचों में हार जबकि एक में ड्रों के साथ खेल समाप्त करना पड़ा। अंक तालिका में वह अंतिम स्थान पर है।

मुंबई की छह मैचों में यह तीसरी जीत है। वह तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गया। एफसी गोवा और जमशेदपुर एफसी के साथ बंगलुरु के भी समान 10-10 अंक हैं लेकिन ये टीमें गोल अंतर के कारण मुंबई से आगे हैं। मैच की शुरुआत आक्रमक तरीके से हुई। मोडोउसोगोउ ने मैच के 20वें मिनट में ही गोल करते हुए मुंबई को 1-0 की बढ़त दिला दी। यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ। यह गोल काउंटर अटैक के माध्यम से हुआ।

दरअसल, रफाएल बास्तोस ने एक अच्छे थ्रू बॉल सोगोउ को दिया। इसे लेकर वो आगे बढ़े। उन्होंने बाएं किनारे से बॉक्स में घुसकर हमला किया लेकिन गोलकीपर ने बचाव किया। गेंद उनके हाथ से टकराकर देबारा सोगोउ के पास पहुंची। उन्होंने इस बार बिना गलती किए उसे नेट में पहुंचा दिया। पहले हाफ में मुंबई को यह एकमात्र मौका मिला जिसे उसने गोल में बदला।

पहला गोल खाने के बाद चेन्नइयन ने भी हमले शुरू किए। मैच के 25वें मिनट में लूसियान गोइयान ने चेन्नई का एक हमला रोक। 41वें मिनट में आद्रिजा ओलांडी गेंद लेकर मुंबई के



बॉक्स में घुसे लेकिन शुभाशीष बोस ने उन्हें गिरा दिया। आद्रिजा ने पेनल्टी की मांग की लेकिन रेफरी ने इसे नकार दिया। पहले हाफ का मैच 1-0 के स्कोर के साथ ही समाप्त हुआ। दूसरे हाफ में बढ़त बनाने में लगे मुंबई ने बास्तोस और सोगोउ की मदद से हमला किया लेकिन करणजीत ने इसे रोक दिया। 51वें मिनट में चेन्नई ने एक मौका बनाया लेकिन वे उसे गोल में नहीं बदल पाए। मैच के 62वें मिनट में मेजबान टीम को बराबरी का गोल करने का बेहतरीन मौका मिला लेकिन वे इसे भुना नहीं पाए। आस्पतो ने बाएं किनारे से कार्लोस सालोम को बॉक्स के भीतर पास दिया। सालोम ने गेंद को पोस्ट की भेजा तो लेकिन वह जॉयनर लाउरेंसो से टकराकर और फिर बार से टकराकर लौट गई। रिबाउंड पर थोई सिंह ने शॉट लगाया लेकिन अमरिंदर ने इसे रोक दिया।

इसके बाद भी चेन्नई के खिलाड़ियों ने कुछ मौके बनाए लेकिन अंततः वे गोल करने में कामयाब नहीं हो सके और मैच 1-0 के स्कोर के साथ समाप्त हुआ।

20 रु. में लंबा गैस कनेक्शन व 2 रु. में सिलेंडर होगा बुक, यहां करना होगा अर्लाई

मोदी सरकार ने ग्रामीण इलाकों के लोगों को दिवाली तोहफा दिया है। रसाई गैस के कनेक्शन और गैस सिलेंडर की वितरण व्यवस्था में और सुधार के लिए सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने एक बड़ा कदम उठाते हुए साझा सेवा केंद्रों (सीएससी) को



गैस सिलेंडरों की बुकिंग और वितरण करने के लिए अधिकृत किया है। इन केंद्रों से भारत पेट्रोलियम, इंडिया ऑयल और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के एलपीजी कनेक्शनों और गैस की बुकिंग की जा सकेगी।

इन कंपनियों ने गैस के नए कनेक्शन की बुकिंग, रीफिलिंग और वितरण के लिए साझा सेवा केंद्रों (सीएससी) के साथ कार्र किया है। देश में वर्तमान में करीब तीन लाख सीएससी काम कर रहे हैं। तेल कंपनियों प्रारंभ में एक लाख केंद्रों के साथ यह काम शुरू करेगी। यानी अगर आपको नया गैस कनेक्शन लेना हो तो अब आपको गैस एजेंसियों के चक्कर काटने की जरूरत नहीं होगी। अपने पास के कॉमन सर्विस

सेंटर (एस्ट) में जाकर आप गैस कनेक्शन बुक करा सकेंगे। इसके लिए आपको मात्र 20 रुपए बतौर फीस देने होंगे। इतना ही नहीं, सिलेंडर रीफिल कराने के लिए आपको महज 2 रुपये खर्च करने होंगे। पेट्रोलियम मंत्री धर्मेद्र प्रधान ने बताया कि करार के तहत ग्रामीण इलाकों में सीएससी का संचालन करने वाले ग्रामीण स्तर के उद्यमियों को नये कनेक्शन की बुकिंग के लिए 20 रुपये, रीफिल के दो रुपये और परिसर में ही सिलेंडर के वितरण के लिए 10 रुपये और ग्राहकों के दरवाजे पर सिलेंडर के वितरण के लिए 19.5 रुपए दिए जाएंगे। इस करार के साथ हमें करीब एक लाख छोटे वितरण केंद्र हासिल हो गए हैं।

आज का राशिफल

मेष: आज का दिन मध्यम फलदायी होगा। स्वास्थ्य में उन्नति और जिंदा व्यवहार पर नियंत्रण रखने की गणेशजी सलाह देते हैं। परिश्रम के बाद सफलता मिलने से मानसिक शांति मिलेगी।

वृषभ: आज आपकी कार्य सफलता में दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास की भूमिका होगी। पिता की तरफ से लाभ होगा। मिथुन: दिन की शुरुआत से ही ताजगी और स्फूर्ति का अनुभव करेंगे। भाग्यवृद्धि के अवसर आएंगे। तेजी से बदलते हुए विचार आपको परेशान कर सकते हैं।

कर्क: आज मन में थोड़ी हताशा के कारण आप खिन्नता अनुभव कर सकते हैं। परिवार में सदस्यों के साथ गुलतफहमी या मनमुटाव हो सकता है। सिंह: आत्मविश्वास तथा त्वरित निर्णय लेकर कार्य में आगे बढ़ सकेंगे। समाज में मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी और क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा हानि हो सकती है।

कन्या: आज आपका दिन शुभ है। घर में सुख-शांति रहेगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। सुसंगठन घटनाएं घटेंगी। स्वास्थ्य बना रहेगा। बीमार व्यक्तियों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। तुला: आज विविध क्षेत्र में लाभ मिलने से आप शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ और प्रफुल्लित रहेंगे। मित्रों से मुलाकात होगी और प्रवास का आयोजन आज बन सकता है।

वृश्चिक: आज आपके हरेक कार्य निर्विघ्न पूरे होंगे। गृहस्थ जीवन में आनंद छाया रहेगा। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी-व्यवसाय में प्रगति होगी। धनुः आज का दिन मिश्रित फलदायी रहेगा। आज स्वास्थ्य कुछ नरम-नरम रहने की आशंका है। शारीरिक रूप से आलस्य की भावना हो सकती है। मकर: आज का दिन मध्यम फलदायी है। खान-पान का ध्यान रखें अन्यथा स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यापारिक कार्यों के पीछे धन खर्च हो सकता है।

कुंभ: आपका मन शांत और प्रसन्न रहेगा। भाई-बहनों के साथ अधिक मेहनत-जोख रहेगा। विपरीत लिंगीय व्यक्तियों के साथ परिचय और मित्रता होगी। मीन: घर में सुख-शांति और आनंद का वातावरण बने रहने से आप अपने बैंक कर्तव्यों को आत्म-विश्वास पूर्वक अच्छे तरह कर सकेंगे, ऐसा गणेशजी कहते हैं।

इस मौसम में खाये लाजवाब मेथी के पराठे

ठंड में गर्मागर्म पराठे खाने का मजा ही कुछ और होता है। इस मौसम में मिलने वाली ताजी मेथी से बने मेथी के पराठों का स्वाद बहुत ही लाजवाब लगता है।

डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब आटे में धीरे-धीरे पानी डालकर इसे गुं दें और 20 मिनट के लिए सेट होने के लिए रख दें।

अ व श व क सामग्री दो कटोरी आटा एक कप मेथी (बारीक कटी हुई) दो हरी मिर्च (बारीक कटी हुई) एक छोटा टुकड़ा अदरक (बारीक कटा हुआ) एक छोटी चम्मच अजवाइन



तय समय के बाद आटे की लोड़ियां तोड़कर इन्हें गोलाकार में बेल लें। मीडियम आंच में एक तवा गरम करें। तवे के गरम होते ही थोड़ा सा तेल डालकर तवा चिकना करें। अब इस पर पराटा सेकें। पराठे को पलटकर भी तेल लगाएं और दूसरी तरफ से भी सेंक लें। इसी तरह सारे पराठे सेंक लें। तैयार हैं गर्मागर्म मेथी के पराठे। दही के साथ परोसें।

नमक स्वादानुसार पानी जरूरत के अनुसार तेल सेंकने के लिए विधि सबसे पहले एक बर्तन में आटे में मेथी, अदरक, हरी मिर्च, अजवाइन और नमक

अब इस पर पराटा सेकें। पराठे को पलटकर भी तेल लगाएं और दूसरी तरफ से भी सेंक लें। इसी तरह सारे पराठे सेंक लें। तैयार हैं गर्मागर्म मेथी के पराठे। दही के साथ परोसें।

शब्द सामर्थ्य-77

बाएं से दाएं : 1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट 7. अन्धकार, अज्ञान का दुकड़ा 22. धूल, भू-भाग 9. बहुत बढ़ा दानी, के सुरों की संख्या 14. लोचयुक्त 17. खिसकना, अप हटना, विचलित होना 19. प्र पधारना, आना 20. धूप-दी 22. इसी समय 23. गुस्सा, ब

गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. धूल, भू-भाग 9. बहुत बढ़ा दानी, के सुरों की संख्या 14. लोचयुक्त 17. खिसकना, अप हटना, विचलित होना 19. प्र पधारना, आना 20. धूप-दी 22. इसी समय 23. गुस्सा, ब

बाजीगर, जादू का खेल दिखाना एक पंजाबी प्रेमगीत, रंगीला की मार-काट, खून-कल्ल 7. भू-भाग 9. बहुत बढ़ा दानी, के सुरों की संख्या 14. लोचयुक्त 17. खिसकना, अप हटना, विचलित होना 19. प्र पधारना, आना 20. धूप-दी 22. इसी समय 23. गुस्सा, ब

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 78 का हल

स्वा	द	सा	म	ना
व	ख	ल	ना	य
लं	प	ट	ना	क
बी	प			ड़ी
अ	ट	प	टा	
स	ह	यो		र
ह	म	द	र	ब
म	क	र	सी	ल
त	क्षा	द	वा	खा

नियम 1. कुल 81 वर्ग है, जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है। 2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते हैं। 3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1से9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

सू-दोकू क्र.69 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6